किसानों और वितरकों के लिए प्रेजेंटेशन

वर्षा जल का संरक्षण एवं प्रबंधन

जल संरक्षण का अर्थ वर्षा के जल का संचयन है।

- खेत में मिटटी की नमी के रूप में

या

- किसी स्थान पर तालाब या बाँध में संचित कर आवश्यकता अनुसार सिंचाई के उपयोग में।

जल प्रकृति की अनमोल संपदा

जल के विषय में कुछ विशेष तथ्य

हाथी के शरीर का 80% हिस्सा 'जल' है।
मनुष्य के शरीर का 70-90% हिस्सा 'जल' है।

वायु , जल एवम भोजन

वायु के बिना हम तीन मिनट जिंदा रह सकते हैं
जल के बिना एक सप्ताह जिंदा रह सकते हैं
भोजन के बिना एक महिना जिंदा रह सकते हैं

खेती में जल की खपत

लीटर में जल की खपत	उत्पाद
36	12 लीटर गाय का दूध
99	1 सेब
120	12 गुलाब के फूल
21,924	20 किलो मक्का
30,240	20 किलो गेहूं
77,510	20 किलो चावल
1,00,000	20 किलो बासमती चावल
18,00,000	1 रूई की गाँठ

जल की मांग बढ़ी - पानी की कमी

गत वर्षों में घरेलू, औद्योगिक और कृषि उपयोग के लिए जल की मांग बढ़ी है और जल की व्यापक कमी महसूस की जा रही है।

कई शहरों और गाँवों में पानी की कमी हो रही है।

जल एक राष्ट्रीय धरोहर

पानी की कमी के मुख्य कारण

दक्षिण-पश्चिम मानसून का विशेष महत्व

भारतवर्ष में दक्षिण-पश्चिम मानसून का विशेष महत्व है क्योंकि कुल वर्षा का तीन चौथाई भाग इसी मानसून (जून-सितंबर) में प्राप्त होता है जो कि हमारा मुख्य खरीफ़ फसलों की बिजाई का समय होता है।